R.M.M Law College
Saharsa
Amrendra Kumar Trivedi
Part Time Teacher
Sub - evidence

विशेषज्ञों की राय - जबकि न्यायालय को विदेशी विधि या विज्ञान की कला की किसी बात पर या हस्तलेख या अंगुली चिह्नों की अनन्यता के बारे में राय बनानी हो। तब उस बात पर ऐसी विदेशी विधि विज्ञान या कला में विशेषकुशल व्यक्तियों की राय सुसंगत तथ्य है। ऐसे व्यक्ति विशेषज्ञ कहलाते हैं,

जैसे कि किसी व्यक्ति की मृत्यु विष द्वारा हुई हो तो उस विष से पैदा हुए लक्षणों के बारे में विशेषज्ञों की राय सुसंगत है।

जैसे किसी दस्तावेज किसी व्यक्ति द्वारा लिखित गयी है जिस दशा में लिखी गयी है किस समय और उपरोक्त के साथ खुशी से अपना वसीयत लिखा हो यह सब बातें परिस्थिति पर निर्भर माना जाता है। क्या यह प्रतिपक्ष एवं वितर्क न्यायालय के समक्ष साक्षी उन्हीं तथ्यों का प्रमाण दे सकता है, जो उसने सुना देखा या जिसका बोध उसे हो रहा है।

Scanned with CamScanner

सकारात्मक नियम के कुछ अध्याय साक्ष्य अधिनियम के 45 से 51 तक की धाराओं में दिये गये हैं और इन धाराओं में ~~स्वयं~~ साक्षी के मत प्रासंगिक महत्व होता है। ये आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिये बनाये गये हैं। कभी कभी मामले की विषय वस्तु ऐसी होती है कि न्यायालय उसके विषय में यथार्थ निर्णय लेने में समर्थ नहीं होता न उससे ऐसा करने की अपेक्षा ही की जाती है।

चूंकि न्यायालय सकारात्मकतः इन विशिष्ट विषयों से पूरी तरह से जानकारी नहीं रखते अतः विधि इन्हें विशेषज्ञों से सहायता लेने की अनुमति प्रदान करती है।

इसलिये विभिन्न के विशेषज्ञों की राय सुसंगत होती है।

किन्तु दक्ष या योग्य निपुण व्यक्तियों की राय उचित माना जाता है।

Scanned with CamScanner